GOVT. D. B. GIRLS' P.G. AUTONOMOUS COLLEGE,

RAIPUR, CHHATTISGARH

FACULTY DEVELOPMENT PROGRAM

Jointly Organized By

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL

& AUTONOMOUS CELL

on

"From Real to Virtual: Paradigm Shift in Learning"

From 23 to 25 August 2020

Webinar Brochure

Dr. Shradhda Girolkar
Principal

Resource Persons

Dr. G.A. Ghanshyam,
OSD
Directorate of Higher Edu.

Dr. Shreedhar,
Vice-Chancellor
Kalinga University Raipur

Dr. D.K. Masta
Asstt. Professor
Dept. of Economics

Shri Saurabh Shrivastav
Practice Director,
Zenoti Softwares,
Hyyderabad

Shri L.K. Gavel
HOD-Computer Science
Govt. GSG PG College
Balod (C.G.)

Program Schedule

Day	Program	Name
Day--1	Welcome Address	Dr. Shraddha Girolkar, Principal
	First Session	Dr. G.A. Ghanshyam
	Second Session	Dr. Sauabh Shrivastav
Day--2	First Session	Dr. R.Shridhar
	Second Session	Dr. D.K.Masta
Day--3	First Session	Prof .L..K. Gavel
	Second Session	Shri Vivek Chandrakar
	Vote of Thanks	Dr Preeti Kansara

Internal Quality Assurance Cell (IQAC)
&
Autonomous Cell

Government D. B. Girls' PG (Autonomous) College
Raipur (Chhattisgarh)

Invite you to participate in
3 Day Faculty Development Program (FDP)
On 23-25 August 2020 (03.00 - 05.00 PM)
On

from Real to Virtual:
Paradigm Shift in Learning

Patron
Dr. Shradhda Girolkar, Principal

Conveners

Dr Preeti Kansara
HOD-Economics

Dr Ragini Pandey
Asstt. Prof.- Physics

Organizing Secretaries

Dr. Ritu Marwah
Asstt. Prof.-Commerce

Dr. Kalpana Mishra
Asstt. Prof.– Hindi

Advisory Committee
Dr Maya Shedpure
Dr. Abhaya Joglekar
Dr. D.K. Masta

Google Meet Joining Link (For all days): FDP@DBGIRLSCollege

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSeshGGr8bR3Zpt2KMN6bzHTp0uLTiUVacQgOOlMg5rjGOgFNw/viewform

इस लिंक के माध्यम से २७६ प्रतिभागियों ने पंजीयन करवाया ।

https://meet.google.com/nrw-zbpm-mzo?hs=122&authuser=0

इस लिंक के माध्यम से २७६ प्रतिभागी FDP में सम्मिलित हुए ।

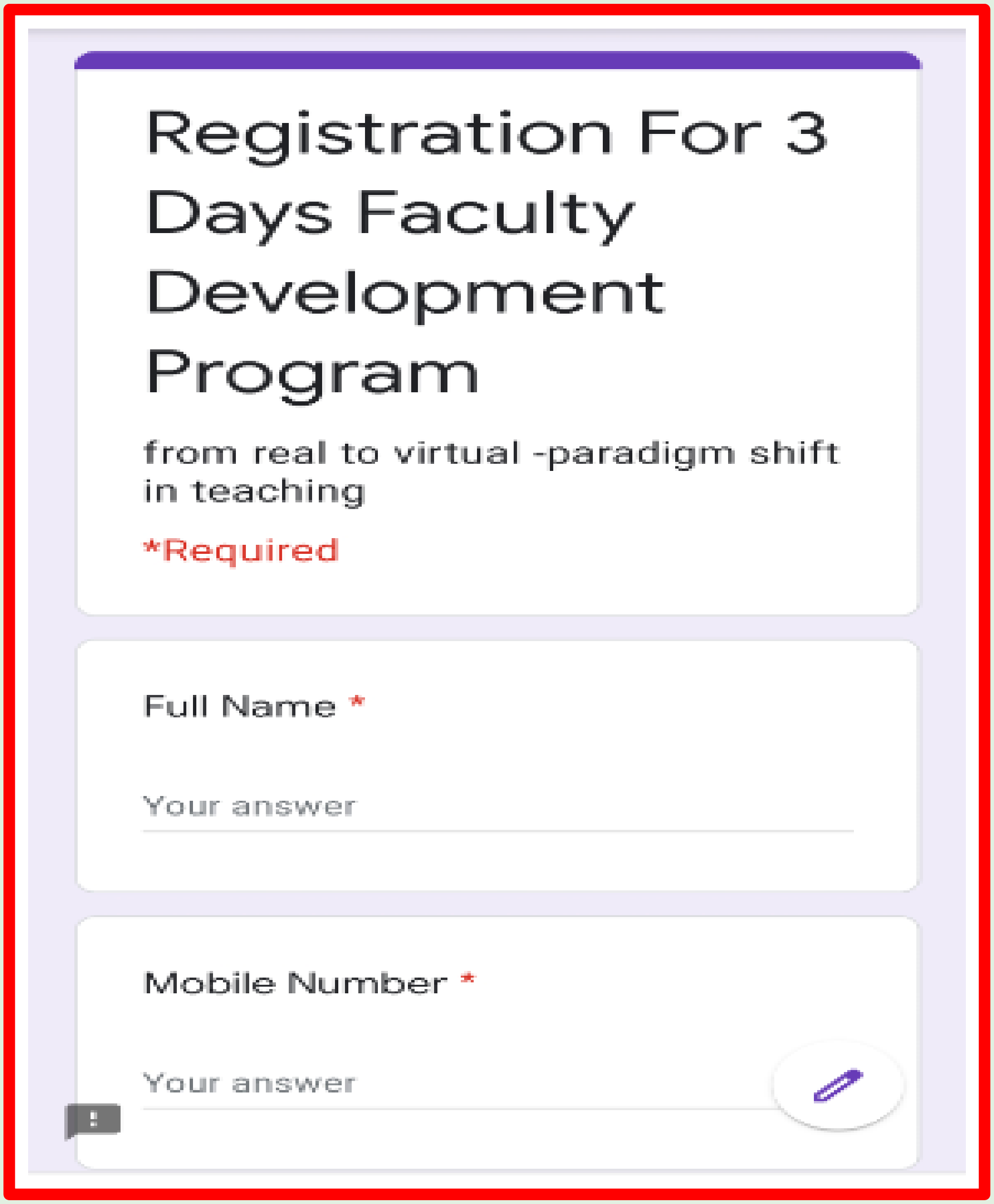

Registration For 3 Days Faculty Development Program

from real to virtual -paradigm shift in teaching

*Required

Full Name *

Your answer

Mobile Number *

Your answer

Organizing Committee

Patron-

Dr. Shraddha Girolkar, Principal,

Govt. D.B. Girls P.G. (Autonomous) College, Raipur (C.G.)

Convener-

Dr. Preeti Kansara, H.O.D.- Economics

Dr. Raginee Pandey, Assistant professor- Physics

Organizing Secretary-

Dr. Ritu Marwah, Asst. Professor– Commerce

Dr. Kalpana Mishra, Asst. professor- Hindi

IQAC INCHARGE – DR. MAYA SHEDPURE

AUTONOMOUS INCHARGE – DR. ABHAYA JOGLEKAR

TECHNICAL HEAD – DR. DINESH KUMAR MASTA

Webinar Contents

- Principal’s Address
- Introduction of Topic
- Welcoming of Speakers
- Keynote Address by Dr. G. A. Ghanshyam- Day 1
- Presentation by Mr. Saurabh Shrivataw -Day1
- Keynote address by Dr. R. Shreedhar -Day 2
- Presentation by Dr. D. K. Masta - Day 2
- Keynote address by Prof L. K. Gavel - Day 3
- Presentation by Mr. Vivek Chandrakar -Day 3
- Conversation with Participants
- Technical Process
- Concluding Webinar & Vote of Thanks
- Feedback Process and Analysis
- E-Certificate
- Press Release
- Webinar Pictures

प्राचार्य का उद्बोधन

--- ---

वर्तमान में संपूर्ण विश्व वैश्विक महामारी कोविड-19 से जूझ रहा है। महामारी के रोकथाम के उपायों में विगत दो-तीन माह से लगभग सभी देश लॉक डाउन से गुजर रहे हैं, जिससे जनता घरों के अंदर रहने के लिए मजबूर है, फलस्वरूप सभी कार्य आभाषी माध्यमों से सम्पादित किये जा रहे हैं ।

आज सभी कार्य ,शैक्षणिक गतिविधियाँ ऑनलाइन संचालित की जा रही हैं ,ऐसे में इन्टरनेट की निर्बाध कनेक्टिविटी की व्यवस्था की जानी चाहिए | ये तीन दिन का फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम अध्ययन अध्यापन में आ रही बाधाओं को ऑनलाइन सुविधाओं के सही प्रशिक्षण व् प्रयोग से दूर करने का प्रयास मात्र है |हम सभी नई तकनीक का प्रयोग कर तो रहे हैं पर उसमें विशेषज्ञता हासिल करना चाहते हैं जिसके लिए कुछ तकनिकी पहलुओं को सीखना चाहते हैं , ये कार्यक्रम तीन दिनों में यही करेगा ऐसी मेरी आशा और शुभकामना है |

मैं आयोजन समिति को इस प्रयास की सफलता हेतु शुभकामनाएँ देती हूँ |

डॉ. श्रद्धा गिरोलकर

प्राचार्य

स्वागत उद्बोधन

--- ---

आप सब का इस तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में स्वागत है | IQAC(आतंरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ट) तथा स्वायत्त शासी प्रकोष्ट द्वारा आयोजित इस FDP में हम सीखने के प्रतिमान में आए परिवर्तन पर सैद्धांतिक व् व्यावहारिक पक्षों को विशेसज्ञों के माध्यम से आपके समक्ष रखेंगे |ये परिवर्तन वास्तविक से आभाषी तकनीकों के बढ़ते महत्त्व पर केन्द्रित हैं |हमने प्रयास किया है कि प्रतिभागियों को न केवल आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सहयोग करें अपितु उनकी जिज्ञासाओं व् समस्याओं का समाधान भी करें |

मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम शिक्षा जगत में आए इस कठिन दौर से बाहर निकलने के लिए सुअवसर ढूंढ निकालने में सफल होंगे ।

डॉ. प्रीति कंसारा

संयोजक

स्वायत्तशासी प्रकोष्ठ प्रभारी

डॉ. अभया जोगलेकर

यह FDP सभी प्राध्यापकों को निःसंदेह बहुत कुछ सीखा गया,आज का युग कंप्यूटर का युग है | लगभग सभी कार्य आज ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म से संचालित हो रहे हैं, ऐसे में इस आभाषी दुनिया के साथ हमें कदम से कदम मिलाना होगा |

मेरी शुभकामनाएँ हैं यह आयोजन अपने उद्देश्य पर खरा उतरे | कई शोधार्थी और प्राध्यापक निरंतर हमसे ऐसे आयोजन की डिमांड करते थे, इसलिए इसे पूर्णतया आज के शैक्षणिक मांग के अनुरूप डिजाईन किया गया है |

आतंरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ट प्रभारी

डॉ. माया शेद्पुरे

महाविद्यालय द्वारा नित नए आयोजन किए जाते हैं, जिससे महाविद्यालय में अध्ययन कर रही छात्राएं लाभान्वित हों FDP का उद्देश्य भी छात्र हित में ऑनलाइन अधिक से,अधिक समन्वय स्थापित करना है |इससे दुरी और समय की सीमाएं ख़त्म हो जाएंगी |

निरंतर समय के साथ हमें अपडेट रहने के लिए ऐसे कार्यक्रम में प्रतिभागिता करनी चाहिए | यह एक सराहनीय प्रयास है |

Key-Note Speaker

Dr. G. A. Ghanshyam,
OSD
Directorate of Higher Education,
Raipur, Chhattisgar

आज मैं कंटीन्यूअस प्रोफेशनल डेवलपमेंट विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करना चाहता हूं| प्राध्यापक को अध्यापन हेतु निरंतर अपडेट रहने की आवश्यकता होती है |आज की तकनीक से जुड़कर ही हम अपने विषय और व्यवसाय के साथ न्याय कर सकते हैं | हमें अपने छात्रों को कम्युनिकेशन स्किल का महत्व समझाना चाहिए, ये छात्र के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं | आज जो फिट है वही हिट है |छात्रों के कौशल को जब तक हम विकसित नहीं करेंगे उन्हें रोजगार उपलब्ध नहीं हो पाएगा |हमें शिक्षा की गुणवत्ता को प्रमुखता से सुधारना चाहिए |हमेशा अध्यापन दो तरफा हो जिसमें शिक्षक और छात्र दोनों आपस में संवाद स्थापित करें| जब तक प्राध्यापक स्वयं आधुनिक तकनीकों को नहीं सीखेगा वह छात्रों की नई मांग के अनुसार उन्हें सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा पाएगा|यदि हम अपने कार्य को पूरी निष्ठां और आनन्द के साथ करेंगे तो छात्र भी इसे ज्यादा खुश होकर सीखेंगे |

SPEAKER

Dr. R.   Shreedhar

Vice Chancellor,

Kalinga University, Raipur

आज मैं नई शिक्षा नीति पर अपनी बात रखूँगा |नई शिक्षा नीति २०२० में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल उन्नयन पर ज्यादा ध्यान दिया गया है | शिक्षा का उद्देश्य रोजगार की योग्यता बढ़ाना भी होना चाहिए ,स्वास्थ्य ,स्वच्छता ,सम्प्रेषण भी शिक्षण संस्थानों में सिखाया जाना चाहिए | हम केवल पहाटे नहीं हैं बल्कि देश के लिए एक सफल नागरिक भी बनाते हैं जो बाद में देश हित में काम करता है |

हमारा उद्देश्य पृथ्वी और प्रकृति के लिए हितकर काम करना भी होना चाहिए |व्यक्तित्व निर्माण करे बिना हम अच्छा व्यक्ति नहीं निर्मित कर सकते |

SPEAKER

Shri Saurabh Shrivastaw

Practice Director,
Zenoti Softwares,
Hyderabad.

मैं आज आप सबसे हाई स्पीड कनेक्टिविटी ,ऑनलाइन मीटिंग प्लेटफॉर्म और गुड स्टोरेज के महत्व पर बात करने जा रहा हूं |ई लर्निंग मार्केट लगभग दो दशक पुराना है, राष्ट्रीय शिक्षा नीति NEP में भी ई लर्निंग को शिक्षा में महत्त्व देने कहा गया है| इसके लिए सबसे जरुरी है नेटवर्क की स्पीड, जिसके लिए राऊटर या अन्य तीव्र गति के माध्यम का प्रयोग किया जाना चाहिए |

ऑडियो विडियो की गुणवत्ता के लिए अच्छा कैमरा और माइक प्रयोग किया जाना चाहिए |गूगल क्लाउड या aws का प्रयोग स्टोरेज क्षमता बढाने के लिए किया जा सकता है |

Speaker

Shri L. K. Gavel,

HOD. Computer Science
Govt. GSG P.G. College,
Balod, C.G.

मैंने Google classroom के द्वारा कक्षा क्रिएट करना, कक्षा संचालित करना, उसमें लेक्चर के प्रमुख बिन्दुओं को पीडीऍफ़ बनाकर, विडियो या ऑडियो लेक्चर बनाकर साझा करना, यही मेरे व्याख्यान का प्रमुख विषय रहा|

छात्र छात्राओं से उनका असाइनमेंट कलेक्ट करना व् जांच कर रिपोर्ट देना ये पूरी प्रक्रिया मैंने पीपीटी बनाकर समझाई| प्रयोग कर के भी दिखाया गया|

Speaker and Technical head

Dr. Dinesh Masta

Assistant Professor- Economics

मेरा उद्देश्य था प्रतिभागियों को गूगल फॉर्म्स क्रिएट करना, उसे भरना, फीडबैक लिंक जनरेट करना व् उससे प्रमाण पत्र बनाना, इस पूरी प्रक्रिया को प्रयोग करके मैंने दिखाया। जो प्रश्न मुझे प्राप्त हुए उनका भी समाधान करने का प्रयास मेरे द्वारा किया गया। आजकल ऑनलाइन वेबिनर आयोजन करने की पूरी प्रक्रिया समझाने का प्रयत्न मैंने किया। कार्यक्रम की विवरणिका (Brochure) का डिज़ाइन और वेबिनार का तकनीकी संचालन भी मेरे द्वारा किया गया. तकनीकी रुकावटों का निराकरण व्यक्तिगत रूप से किया गया।

मुझे आशा है कि अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार के इस अनुभव से समस्त प्रतिभागी संतुष्ट होंगे।

Speaker

Shri Vivek Chandrakar

ऑनलाइन एडमिशन फॉर्म भरने से लेकर फीस के कलेक्शन तक की प्रक्रिया को मैंने पीपीटी के माध्यम से समझाया | अपनी id सुरक्षित रखने के लिए कुछ security mesures भी मेरे द्वारा बताए गए |Digilocker, onedrive जैसे app के द्वारा डॉक्यूमेंट के डिजिटल स्टोरेज के महत्त्व को भी मैने समझाया |

ऑनलाइन फीस कलेक्शन तथा पेमेंट मोड जैसे paytm, bhim, rupay आदि का प्रयोग बताया गया | इसे downlod करके अपने पास कैसे सुरक्षित रखा जा सकता है, ये भी बताने का प्रयास मैंने किया |

Organizing Secretory

Dr. Ritu Marwah

Asst. Prof.- Commerce,

Govt. D.B. Girls P.G. College Raipur C.G.

आज इस कोविद 19 की आपदा के कारण हम कोई कोर्स नहीं कर पा रहे थे , ऐसे में ये FDP ऑनलाइन माध्यम गूगल मीट के द्वारा हमारे जैसे अन्य प्राध्यापकों की इस समस्या को हल करने के लिए आयोजित किया गया | FDP में कुल २६५ प्रतिभागी सम्मिलित हुए |

प्रतिदिन हमने दो सत्र रखे |प्रथम सत्र में व्याख्यान व् द्वितीय सत्र में प्रैक्टिकल सेशन रखा गया | चैट बॉक्स में जो क्वेरी आइ उनका तुरंत निराकरण किया गया | इसके साथ ही कार्यक्रम से पूर्व प्रतिभागियों का पंजीकरण एवं कार्यक्रम के पश्चात सभी प्रतिभागियों फ़ीडबैक लिया गया | उनके ईमेल पते पर प्रमाण-पत्र प्रेषित किया गया व् गूगल फॉर्म के माध्यम एक स्वतः संचालित प्रक्रिया अपनाई गई ।

Organizing Secretory

Dr. Kalpana Mishra

Assistant Professor - Hindi,

Govt. D.B. Girls P.G. College Raipur.

समिति का प्रयास रहा कि अधिक से अधिक ऐसे पक्ष को सम्मिलित किया जाए जो रोजमर्रा में हमारे प्राध्यापकीय कर्म हेतु आवश्यक होती जा रहीं हैं |

FDP में प्राध्यापक ,कर्मचारी तथा शोधार्थी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। इसमें हमें पूरे महाविद्यालय का सहयोग व् मार्गदर्शन प्राप्त हुआ | हर विशेषज्ञ की विशेषज्ञता का हमें लाभ मिला ,और ऑनलाइन कक्षा लेने के लिए हमें और सटीक जानकारियां प्राप्त हुईं| इसमें छत्तीसगढ़ के सभी जिलों से प्राध्यापक जुड़े |

सबका आभार |

Conversation with Participants

डॉ. प्रीति शर्मा

प्राध्यापक समाजशास्त्र

FDP में तीनों दिन जो बताया गया वो हमारे लिए अत्यधिक लाभ दायक है| गूगल क्लास, ऑनलाइन टीचिंग और नई शिक्षा नीति पर व्याख्यान और प्रायोगिक लेक्चर से हमारे कई संशय ख़त्म हो गए| घनश्याम सर ने अपने वक्तव्य से नए उत्साह का संचार किया|

पूरी टीम को बधाई|

Name of Participants- who took part in conversation -

डॉ. मनीषा महापात्र, डॉ. ज्ञानेंद्र शुक्ल, डॉ. सविता मिश्रा, डॉ. चन्द्र ज्योति श्रीवास्तव, डॉ. एम्.एल. वर्मा, डॉ. स्वप्निल करमहे, डॉ. कल्याण रवि, डॉ. मोना चौहान, डॉ. स्वाति साहू, डॉ. कृतिका आदि ।

मैं समस्त प्रतिभागियों को उनके उत्साह एवं सहयोग के लिए धन्यवाद देती हूं।

Queries by Participants

---

1. क्या नई शिक्षा नीति से छात्रों को अधिक समय लगेगा अपनी डिग्री पूरी करने मे,

   क्या यह अधिक जटिल हो गई है –

   डॉ. अनीता दीक्षित सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र

२. गूगल ड्राइव का महत्त्व बताइए –

   आरती उपाध्याय –शोधार्थी

3. मेरा प्रश्न है की गूगल मीट और ज़ूम में से कौन सा app बेहतर है |

इनके अलावा १८ अन्य प्रश्न प्राप्त हुए थे जिनका समाधान विशेषज्ञों के द्वारा किया गया |

Concluding Webinar & Vote of Thanks

इस तीन दिवसीय FDP को पूर्णतः सफल बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों का आभार, उनकी प्रतिभागिता और लगातार संवाद ने इस कार्यक्रम को जीवंत बनाए रखा | प्राचार्य महोदय डॉ. श्रद्धा गिरोलकर के मार्गदर्शन में हमने बिना किसी बाधा के ये आयोजन किया| डॉ. माया शेद्पुरे और डॉ. अभया जोगलेकर मैडम ने हमें प्रोत्साहित किया व् अपना पूरा सहयोग प्रदान किया| पूरा महाविद्यालय परिवार इसमें सम्मिलित रहा, सबका ह्रदय से आभार| हमारे विषय विशेषज्ञों ने अपना कीमती समय व् ज्ञान का हमें लाभ दिया, उनका विशेष धन्यवाद् |

तकनीकि सहयोग के लिए डॉ. दिनेश मस्ता सर जिन्होंने शुरू से अंत तक इस आयोजन को सफल बनाया उन्हें धन्यवाद्| सबने एक टीम की तरह समय पाबन्द होकर बड़ी संख्या में रोज अपनी उपस्थिति देकर इसे सफल बनाया| मैं मीडिया का भी धन्यवाद् ज्ञापित करती हूँ |मेरे सहयोगी साथियों को भी बधाई|

डॉ. रागिनी पाण्डेय
संयोजक

तीनो दिन की गतिविधियाँ व् पूरा कार्यक्रम रिकॉर्ड किया गया जो गूगल ड्राइव में संरक्षित है ।

प्रथम दिवस

https://drive.google.com/file/d/1S-pX2z-jAcGZEAOjfeb3vv7bMFb8s73f/view?usp=drivesdk

द्वितीय दिवस

https://drive.google.com/file/d/1BazZnPOMFL47HYfZ4M2mR_oLmvVIASuk/view?usp=drivesdk

तृतीय दिवस

: **https://drive.google.com/file/d/16UT9HFzvdjX0YKLjIrZh1kb3sLZ28FWF/view?usp=sharing**

Analysis of Feedback

Total Participants – **265**

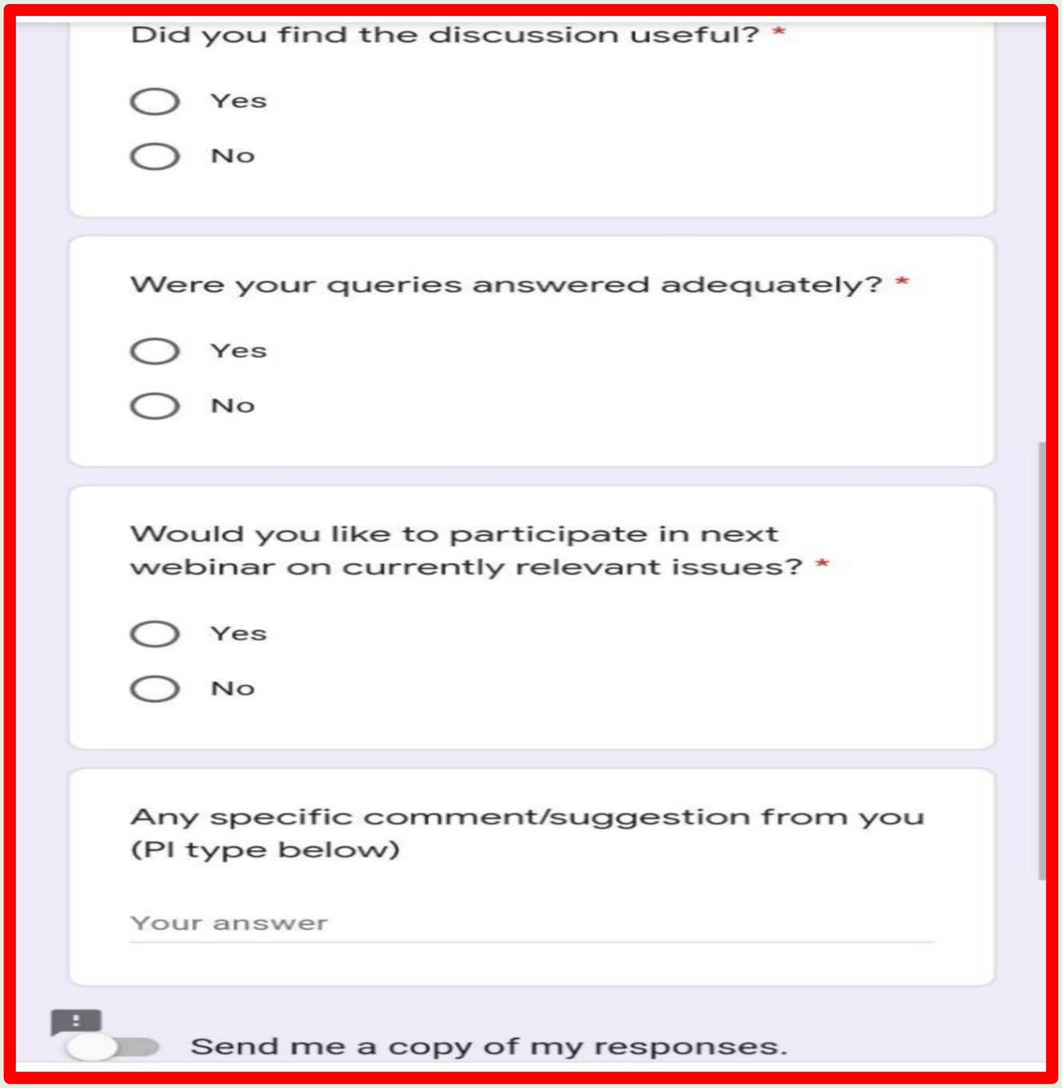

Q. Did you find the discussion useful- 99 % Yes

Q. Were your queries answered adequate - 99 % Yes

Q. Would you like to participate in next Webinar- 97 % Yes

Certificate

Govt. DB Girls' P.G.(Autonomous) College
Raipur Chattisgarh

3 Days Faculty Development Programme

On

'From Real to Virtual - Paradigm Shift in Learning'

Certificate of Appreciation

This is to certify that *Dr. G.A. Ghanshyam, OSD, Directorate of Higher Education, Raipur Chhattisgarh* has participated as *resource person* and delivered his presentation on '*Continuous Professional Development*', in Three Days Faculty Development Programme from 23rd August to 25th August 2020, organized by Govt. D.B. Girls, P.G. Autonomous college, Raipur, Chhattisgarh.

Dr. Preeti Kansara HOD Economics Convener	Dr.Raginee Pandey Asst. Prof. Physics Convener	Dr.Kalpana Mishra Asst. Prof. Hindi Organising Secretary	Dr. Ritu Marwah Asst.Prof. Commerce Organising Secretary	Dr. Shraddha Girolkar Principal Patron

Govt. DB Girls' P.G.(Autonomous) College
Raipur Chattisgarh

3 Days Faculty Development Programme

On

'From Real to Virtual - Paradigm Shift in Learning'

Certificate of Participation

This is to certify that Dr. Anita Dikshit of Govt. D. B. Girls P. G. Auto. College Raipur has participated in Three Days Faculty Development Programme on 'From Real to Virtual - Paradigm Shift in Learning' from 23rd August to 25th August 2020, organized by Internal Quality Assurance Cell and Autonomous cell of Govt. D.B. Girls P.G. Autonomous college Raipur Chhattisgarh.

Dr. Preeti Kansara HOD Economics Convener	Dr.Raginee Pandey Asst. Prof. Physics Convener	Dr.Kalpana Mishra Asst. Prof. Hindi Organising Secretary	Dr. Ritu Marwah Asst.Prof. Commerce Organising Secretary	Dr. Shraddha Girlokar Principal Patron

Press Release

23.8.20

शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं स्वशासी प्रकोष्ठ द्वारा तीन दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया कार्यक्रम की संयोजक डॉ प्रीति कंसारा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य अध्यापन कार्य को नहीं आधुनिक एवं ई शिक्षा तकनीक के द्वारा विभिन्न एप्लीकेशन के बारे में संक्षिप्त व्यावहारिक जानकारी दान करना है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रद्धा गिरोलकर ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि आज के समय की आवश्यकता है फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम और स्टूडेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम परंतु इसके लिए शासन की ओर से निर्बाध इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। । कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ डॉ जी ए घनश्याम ने बताया कि हमें अपना कम्युनिकेशन सुधारने की आवश्यकता है विशेषकर छात्रों को इससे उनमें रोजगार प्राप्त करने की क्षमताएं बढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि निर्णय कभी भी अकेला ना होकर साझा होना चाहिए उससे सब का फायदा होता है।

दूसरे वक्ता श्री सौरभ श्रीवास्तव ने ऑनलाइन लर्निंग का महत्व बताते हुए लर्निंग के प्लेटफॉर्म्स बताए, उन्होंने गूगल क्लासेस गो टू मीटिंग आदि के बारे में जानकारी दी। अच्छे स्टोरेज के लिए गूगल क्लाउड आदि उपयोग करने की सलाह दी व सुरक्षित इंटरनेट प्रयोग के उपाय भी बताए। कार्यक्रम की सं संयोजक डॉ रागिनी पांडे ने कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम हम सब की व्यवसायिक गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया था उन्होंने धन्यवाद ज्ञापित किया कार्यक्रम के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री डॉ रितु मारवाह और डॉ कल्पना मिश्रा ने आज के समय में निरंतर विकास की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस पूरे आयोजन में तकनीकी सहयोग डॉ दिनेश कुमार मस्ता का रहा।व आइक्यूएसी प्रभारी डॉ माया शेदपुरे व डॉ अभया जोगलेकर का विशेष सहयोग रहा।

Press Release

24.8.20

शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं स्वशासी प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 23 से 25 अगस्त तक तीन दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के दूसरे दिन स्वागत भाषण स्वशासी प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ अभया जोगलेकर ने दिया ।कार्यक्रम संयोजक डॉ प्रीति कंसारा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य अध्यापन कार्य को नहीं आधुनिक एवं ई शिक्षा तकनीक के द्वारा विभिन्न एप्लीकेशन के बारे में संक्षिप्त व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रद्धा गिरोलकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के समय की आवश्यकता है फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम और स्टूडेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम,,परंतु इसके लिए शासन की ओर से निर्बाध इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। । कार्यक्रम में विषय कर्तव्यस्थ अधिकारी उच्च शिक्षा संचलनालय डॉ जी ए घनश्याम ने बताया कि हमें अपना कम्युनिकेशन सुधारने की आवश्यकता है विशेषकर छात्रों को इससे उनमें रोजगार प्राप्त करने की क्षमताएं बढ़ेंगी। दूसरे वक्ता श्री सौरभ श्रीवास्तव ने ऑनलाइन लर्निंग का महत्व बताते हुए लर्निंग के प्लेटफॉर्म्स बताए। अच्छे स्टोरेज के लिए गूगल क्लाउड आदि उपयोग करने की सलाह दी। तीसरे वक्ता डॉ आर श्रीधर ने नई शिक्षा नीति पर विश्लेषण करते हुए व्याख्यान दिया।उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ कौशल भी सीखना अनिवार्य किया जाना चाहिए जिससे रोजगार मिल सके।विषय विशेषज्ञ डॉ डी के मस्ता ने ऑनलाइन वेबिनार आयोजन कैसे किया जाना चाहिए सिखाया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ रागिनी पांडे ने कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम हम सब की व्यवसायिक गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया है। डॉ प्रीति कंसारा ने धन्यवाद ज्ञापित किया ।कार्यक्रम के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री डॉ रितु मारवाह और डॉ कल्पना मिश्रा ने आज के समय में निरंतर विकास की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस पूरे आयोजन में तकनीकी सहयोग डॉ दिनेश कुमार मस्ता का रहा।व आइक्यूएसी प्रभारी डॉ माया शेदपुरे व डॉ अभया जोगलेकर का विशेष सहयोग रहा।

Press Release

25.8.20

-शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं स्वशासी प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 23 से 25 अगस्त तक तीन दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के तीसरे दिन स्वागत भाषण डॉ माया शेदपुरे ने दिया ।कार्यक्रम संयोजक डॉ प्रीति कंसारा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य अध्यापन कार्य को नहीं आधुनिक एवं ई शिक्षा तकनीक के द्वारा विभिन्न एप्लीकेशन के बारे में संक्षिप्त व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रद्धा गिरोलकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के समय की आवश्यकता है फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम और स्टूडेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम,,परंतु इसके लिए शासन की ओर से निर्बाध इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। । प्रथम दिन के प्रथम वक्ता विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी उच्च शिक्षा संचालनालय डॉ जी ए घनश्याम ने बताया कि हमें अपना कम्युनिकेशन सुधारने की आवश्यकता है विशेषकर छात्रों को इससे उनमें रोजगार प्राप्त करने की क्षमताएं बढ़ेंगी। दूसरे वक्ता श्री सौरभ श्रीवास्तव ने ऑनलाइन लर्निंग का महत्व बताते हुए लर्निंग के प्लेटफॉर्म्स बताए। अच्छे स्टोरेज के लिए गूगल क्लाउड आदि उपयोग करने की सलाह दी। द्वितीय दिन के प्रथम वक्ता डॉ आर श्रीधर ने नई शिक्षा नीति पर विश्लेषण करते हुए व्याख्यान दिया।उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ कौशल भी सीखना अनिवार्य किया जाना चाहिए जिससे रोजगार मिल सके।विषय विशेषज्ञ डॉ डी के मस्ता ने ऑनलाइन वेबिनार आयोजन कैसे किया जाना चाहिए सिखाया। डॉ एल के गवेल ने गूगल क्लास रूम व जीसूट के विषय में बताया। श्री विवेक चंद्राकर ने **online** प्रवेश फॉर्म भरने,व,डिजि लॉकर आदि के विषय में समझाया।।डॉ प्रीति कंसारा ने धन्यवाद ज्ञापित किया ।कार्यक्रम की संयोजक डॉ रागिनी पांडे ने कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम हम सब की व्यवसायिक गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया है।कार्यक्रम के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री डॉ रितु मारवाह और डॉ कल्पना मिश्रा ने आज के समय में निरंतर विकास की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस पूरे आयोजन में तकनीकी सहयोग डॉ दिनेश कुमार मस्ता का रहा।व आइक्यूएसी प्रभारी डॉ माया शेदपुरे व डॉ अभया जोगलेकर का विशेष सहयोग रहा।

NAVBHARAT

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा

Rajdhani - 24 Aug 2020 - 24raj5

डिग्री गर्ल्स कॉलेज में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम पर वेबिनार

ऑनलाइन लर्निंग का बताया महत्व

◆ नवभारत रिपोर्टर। रायपुर.
www.navabharat.org

शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं स्वशासी प्रकोष्ठ द्वारा तीन दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किया गया. कार्यक्रम की संयोजक डॉ. प्रीति कंसारा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य अध्यापन कार्य को नहीं आधुनिक एवं ई शिक्षा तकनीक के द्वारा विभिन्न एप्लीकेशन के बारे में संक्षिप्त व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना है.कॉलेज की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा

गिरोलकर ने कहा कि आज के समय की आवश्यकता फैकेल्टी और स्टूडेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम है, परंतु इसके लिए शासन की ओर से निर्बाध इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जानी चाहिए. कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ डॉ. जीए घनश्याम ने बताया कि हमें अपना कम्यूनिकेशन सुधारने की आवश्यकता है. विशेषकर छात्रों को इससे उनमें रोजगार प्राप्त करने की क्षमताएं बढ़ेंगी. उन्होंने कहा कि निर्णय कभी भी अकेला ना होकर साझा होना चाहिए उससे सब का फायदा होता है. दूसरे वक्ता सौरभ श्रीवास्तव ने ऑनलाइन लर्निंग का महत्व बताते हुए लर्निंग के प्लेटफॉर्म्स बताए. उन्होंने गूगल क्लासेस गो टू मीटिंग आदि के बारे में जानकारी दी. कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रागिनी पांडे ने कहा कि यह कार्यक्रम हम सब की व्यवसायिक गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया था. कार्यक्रम के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. रितु मारवाह और डॉ. कल्पना मिश्रा ने आज के समय में निरंतर विकास की आवश्यकता पर प्रकाश डाला.

HARIBHUMI

हरिभूमि

रायपुर - रायपुर भूमि
25 Aug 2020

मौजूदा स्थिति में बढ़ रहा है ऑनलाइन लर्निंग का दायरा

डिग्री गर्ल्स में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

रायपुर। डिग्री गर्ल्स कॉलेज में तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया, जिसकी शुरुआत रविवार से हुई। कार्यक्रम का उद्देश्य अध्यापन कार्य के लिए आधुनिक व ई-शिक्षा तकनीक द्वारा विभिन्न एप्लीकेशन के बारे में संक्षिप्त व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना रहा। महाविद्यालय की प्राचार्य. डॉ श्रद्धा गिरोलकर ने अपने उद्बोधन में कहा, फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम और स्टूडेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम आज की आवश्यकता है। लेकिन इसके लिए शासन की ओर से निर्बाध इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उच्च शिक्षा संचलनालय के डॉ. जीए घनश्याम ने कहा, हमें अपना कम्युनिकेशन सुधारने की आवश्यकता है। विशेषकर छात्रों में इससे रोजगार प्राप्त करने की क्षमताएं बढ़ेंगी। दूसरे वक्ता सौरभ श्रीवास्तव ने ऑनलाइन लर्निंग का महत्व बताया। डॉ. आर श्रीधर ने नई शिक्षा नीति पर विश्लेषण करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ कौशल भी सीखना अनिवार्य किया जाना चाहिए, जिससे रोजगार मिल सके। डॉ. डीके मस्ता, संयोजक डॉ. रागिनी पांडे, डॉ. प्रीति कंसारा, डॉ. रितु मारवाह व डॉ. कल्पना मिश्रा के साथ अन्य ने हिस्सा लिया।

छात्रों ने ऑनलाइन मनाया महाविद्यालय का स्थापना दिवस

विप्र महाविद्यालय द्वारा अपने 24 वें स्थापना दिवस को ऑनलाइन माध्यम से मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर विधायक विकास उपाध्याय व विशिष्ट अतिथि के तौर पर रविवि के कुलपति प्रो. केएल वर्मा शामिल हुए। इस दौरान विकास उपाध्याय व कुलपति प्रो. केएल वर्मा ने बधाई देते हुए कहा, शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों को कार्य करने के लिए सक्षम बनाना, तर्कसंगत विचार करने में समर्थ बनाना और मानव मूल्यों व नैतिक गुणों का विकास करना है। वर्तमान स्थिति में ऑनलाइन शिक्षा और नई तकनीकी से परिचित होकर प्राध्यापक कुशल बनें। शिक्षण समिति अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, डॉ. उषा दुबे के साथ कॉलेज समिति के सभी पदाधिकारी, सदस्य व सभी प्राध्यापकों ने हिस्सा लिया।

शिक्षकों के लिए जारी हुए मैनुअल्स

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 6 से 10 तक के साइंस और मैथ्स शिक्षकों के लिए सेंट्रल स्क्वॉयर फाउंडेशन के साथ मिलकर एक टीचिंग मैनुअल्स (नियम) जारी किया है। इसका उद्देश्य शिक्षिकों द्वारा उनकी कक्षाओं को बदलावों के साथ प्रतियोगात्मक क्षमता के फ्रेमवर्क के रूप में तैयार करना है। सीबीएसई के शिक्षकों के लिए ये जरूरी मैनुअल्स हैं। इस मैनुअल्स के जरिए परिणाम आधारित अध्ययन को आसान बनाया जा सकता है। ये टीचिंग मैनुअल्स दीक्षा और सीबीएसई की अकेडमिक वेबसाइट पर जाकर डाउनलोड किए जा सकते हैं। इस मैनुअल के प्रत्येक चैप्टर में एनसीईआरटी किताबों के संदर्भ में सूचनाएं दी गई हैं। मैनुअल्स के चैप्टर्स कंसेप्ट (अवधारणा) के पैकेट्स में बंटे हैं, जो एनसीईआरटी के लर्निंग आउटकम्स के कंसेप्ट पर आधारित होंगे। हर अवधारणा में कोशिश की गई है कि प्रत्येक कंसेप्ट के अध्ययन के महत्व को समझाया जाए। हर कंसेप्ट में पर्याप्त उदाहरण और उसका उद्देश्य दिया गया है। शिक्षक इनको समझकर अपनी कक्षा में छात्रों को और ज्यादा ज्ञान प्रदान कर सकेंगे।

DAINIKBHASKAR

लगी। उनकी इस पहल का

कम्यूनिकेशन स्किल से बढ़ेगी स्टूडेंट में जॉब हासिल करने की क्षमता

सिटी रिपोर्टर | डिग्री गर्ल्स कॉलेज के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं स्वशासी प्रकोष्ठ की ओर से तीन दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम रखा गया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा संचालनालय के विषय कर्तव्यस्थ अधिकारी डॉ. जीए घनश्याम ने कहा कि हमें स्टूडेंट्स में कम्यूनिकेशन स्किल डेवलप करनी होगी। बेहतर कम्यूनिकेशन से स्टूडेंट्स की जॉब हासिल करने की क्षमता बढ़ेगी। वर्तमान में हर फील्ड में वही व्यक्ति कामयाब हो सकता है जो अपनी बात बेहतर अंदाज में लोगों तक रख सके। वक्ता सौरभ श्रीवास्तव ने ऑनलाइन लर्निंग का महत्व बताते हुए अच्छे स्टोरेज के लिए गूगल क्लाउड यूज करने की सलाह दी। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ श्रद्धा गिरोलकर, प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ अभया जोगलेकर, डॉ प्रीति कंसारा सहित अन्य मौजूद रहे।

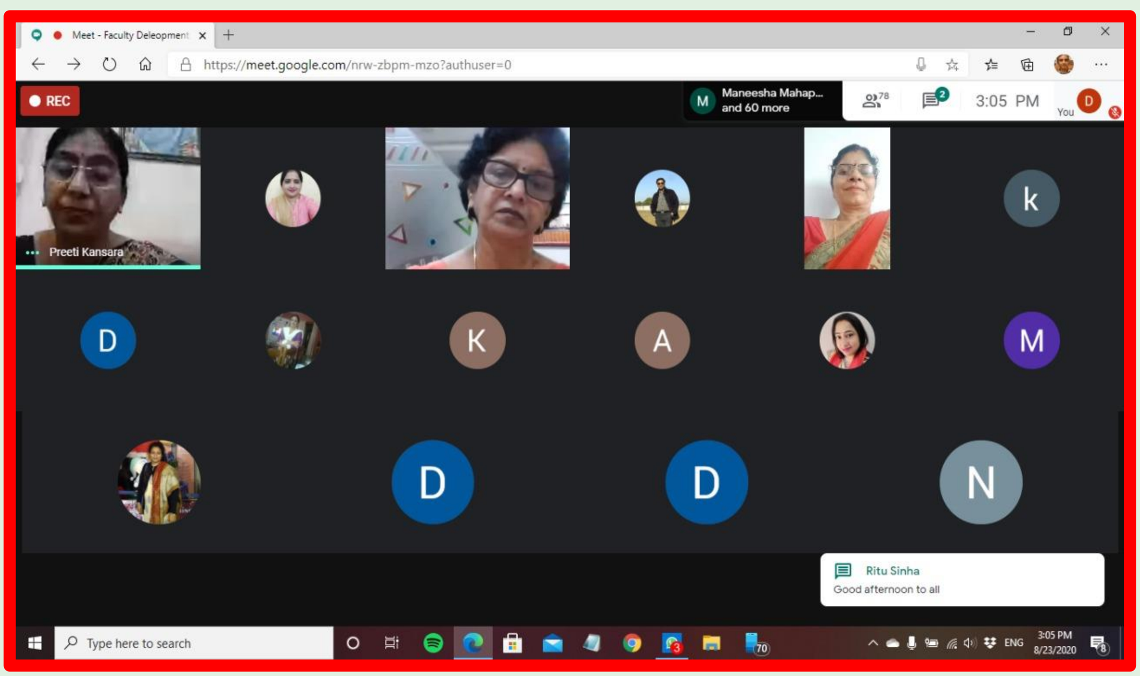

Webinar Pictures

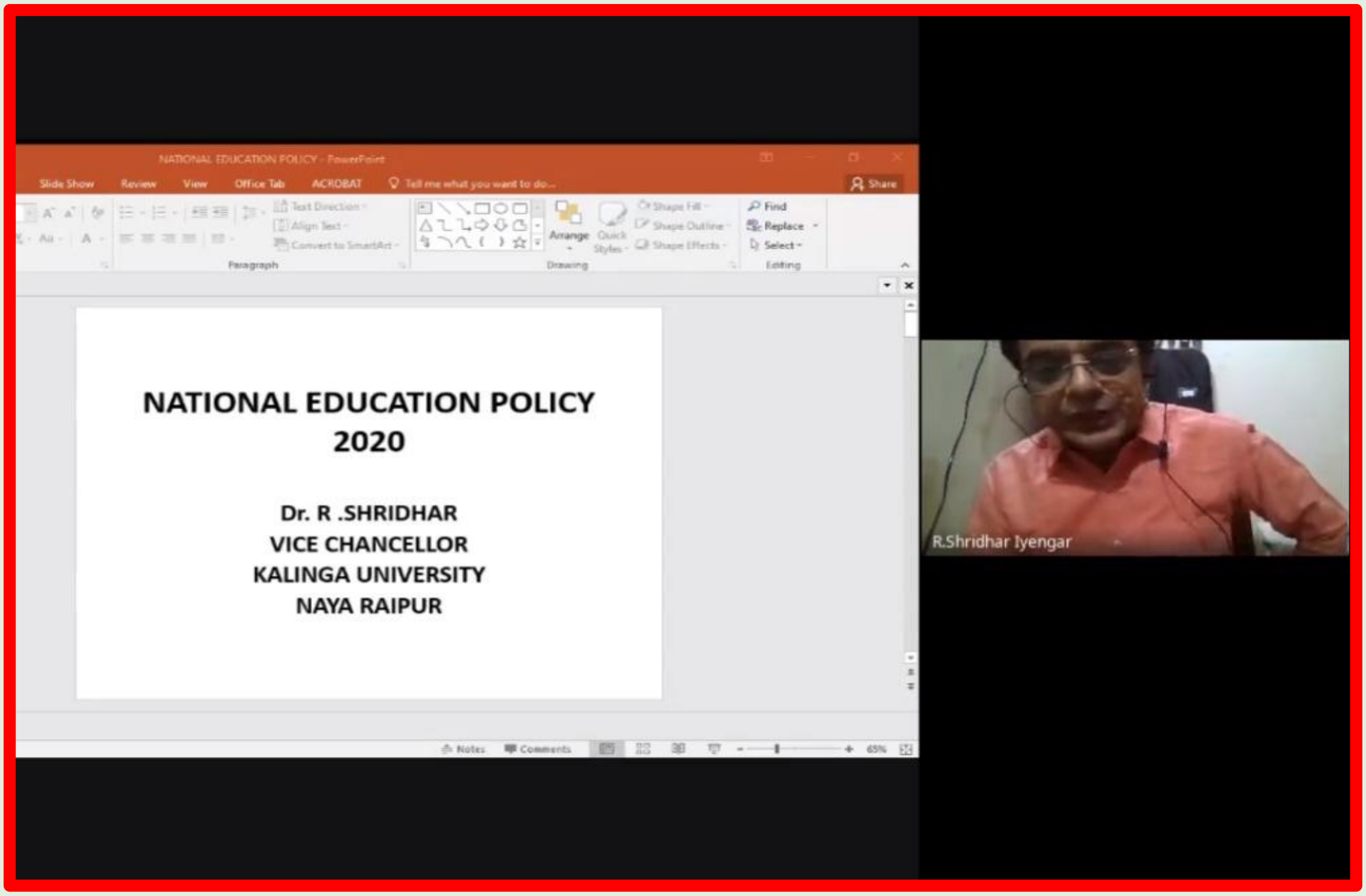

Webinar Pictures

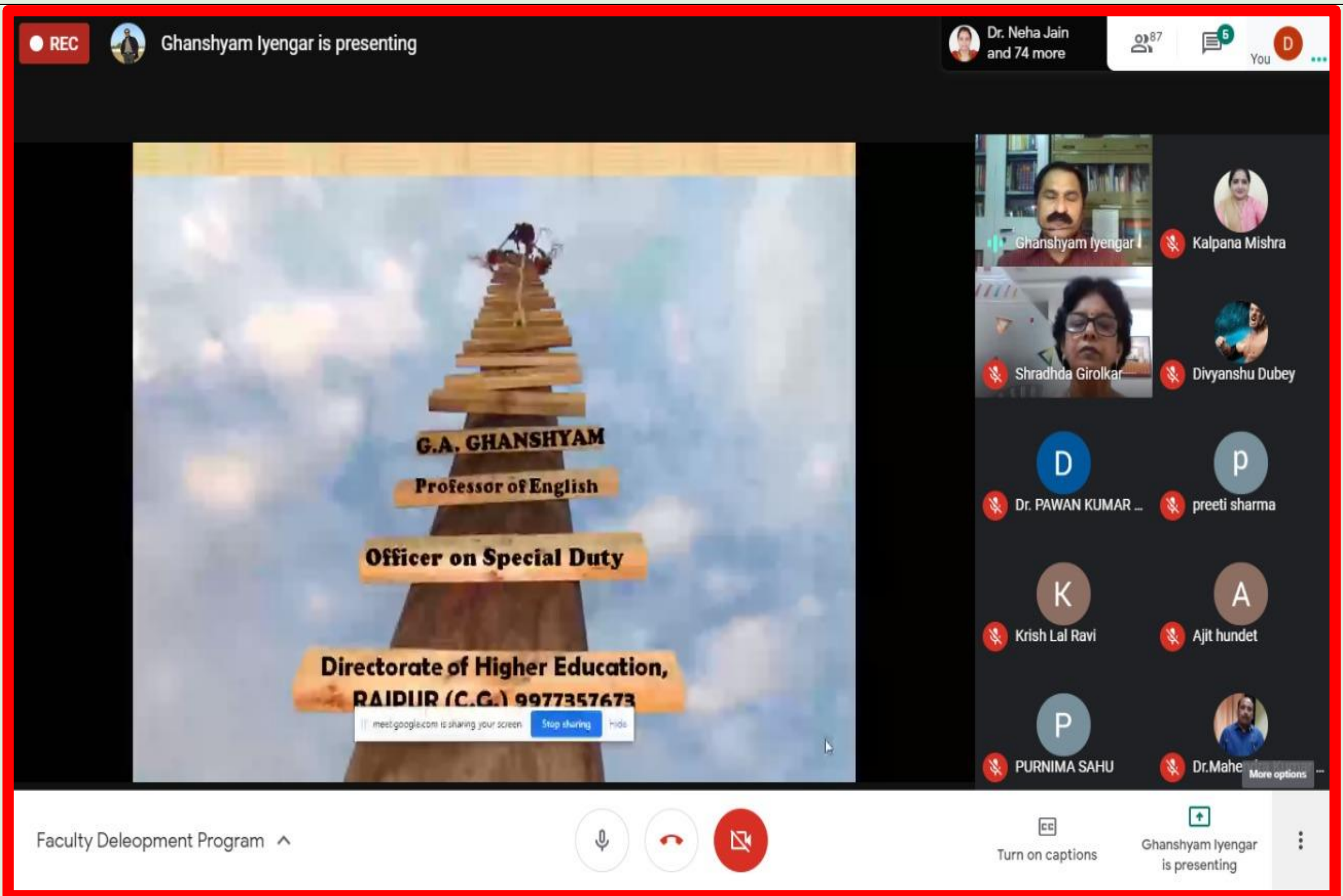

Webinar Pictures

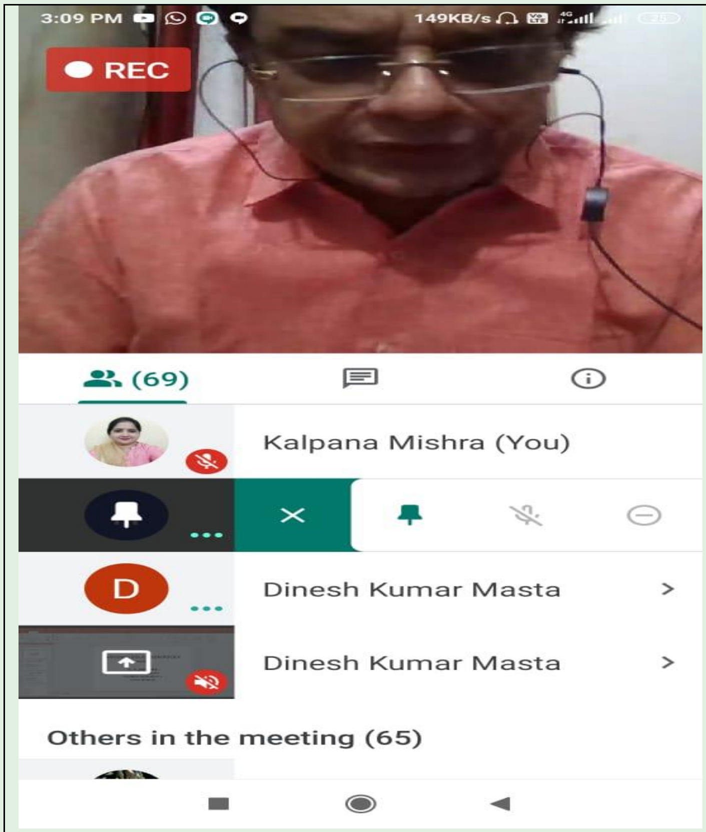

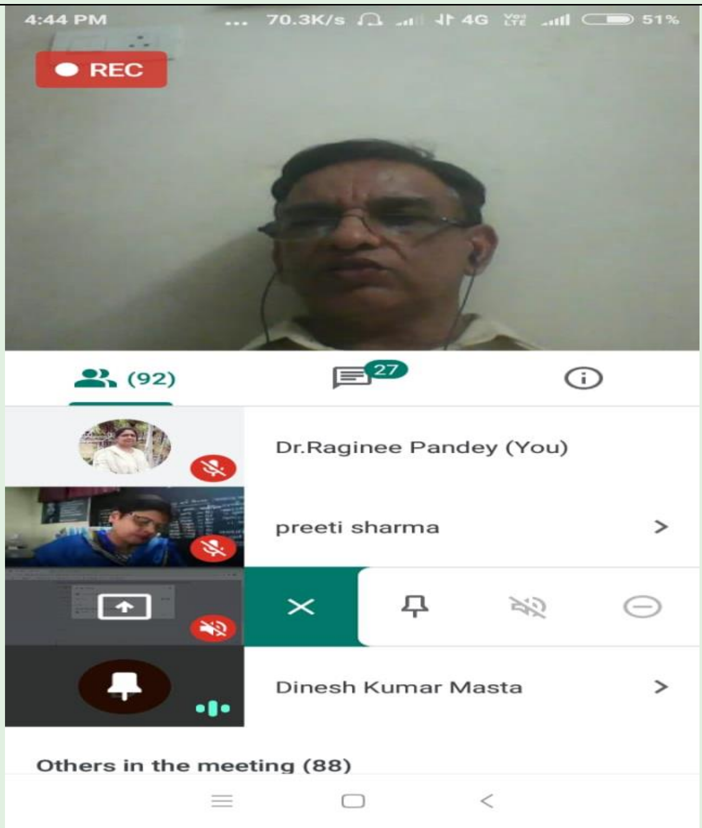

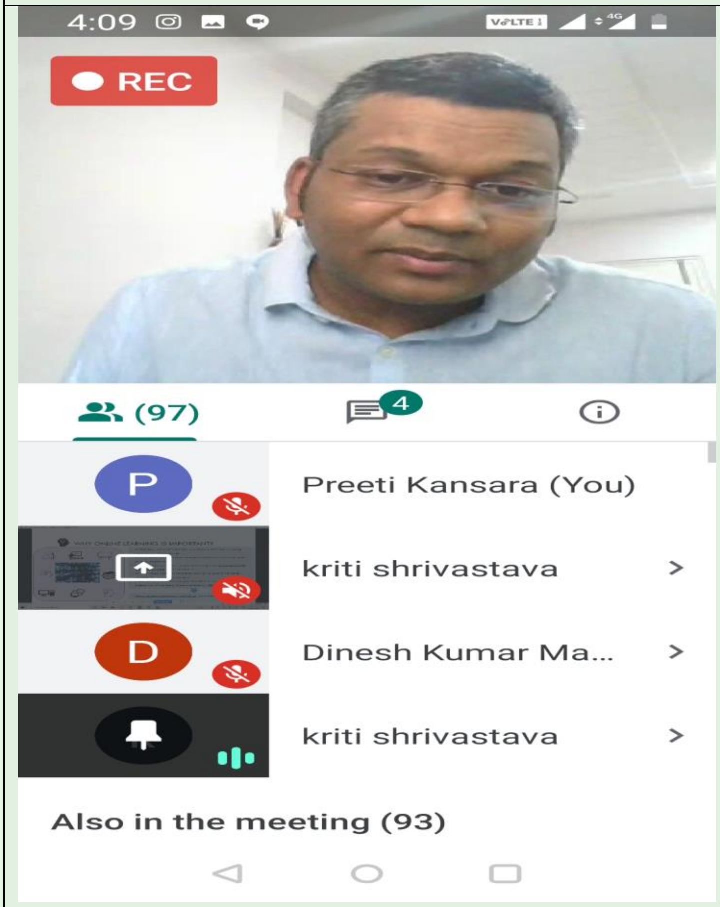

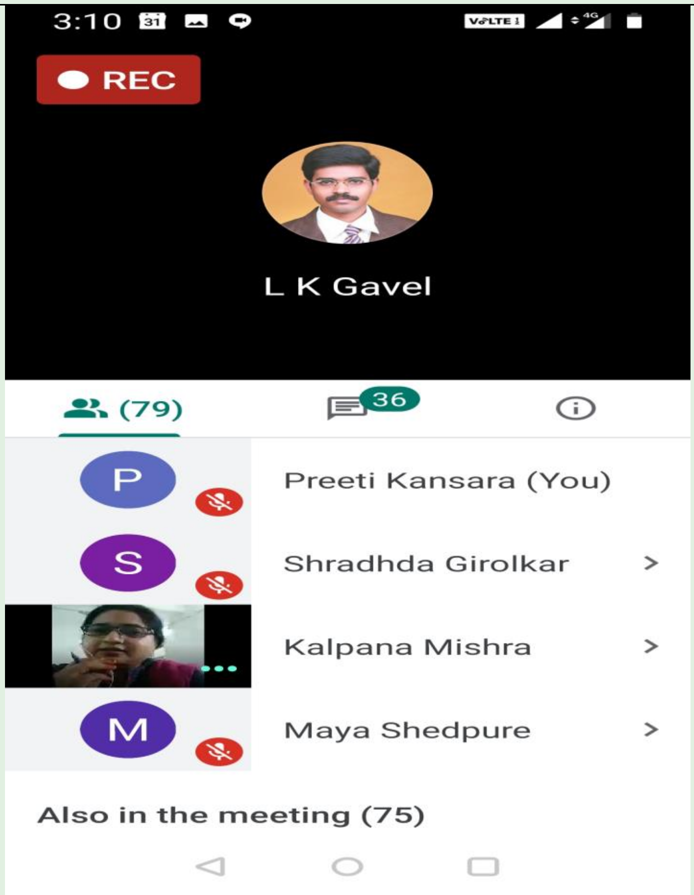

Webinar Pictures

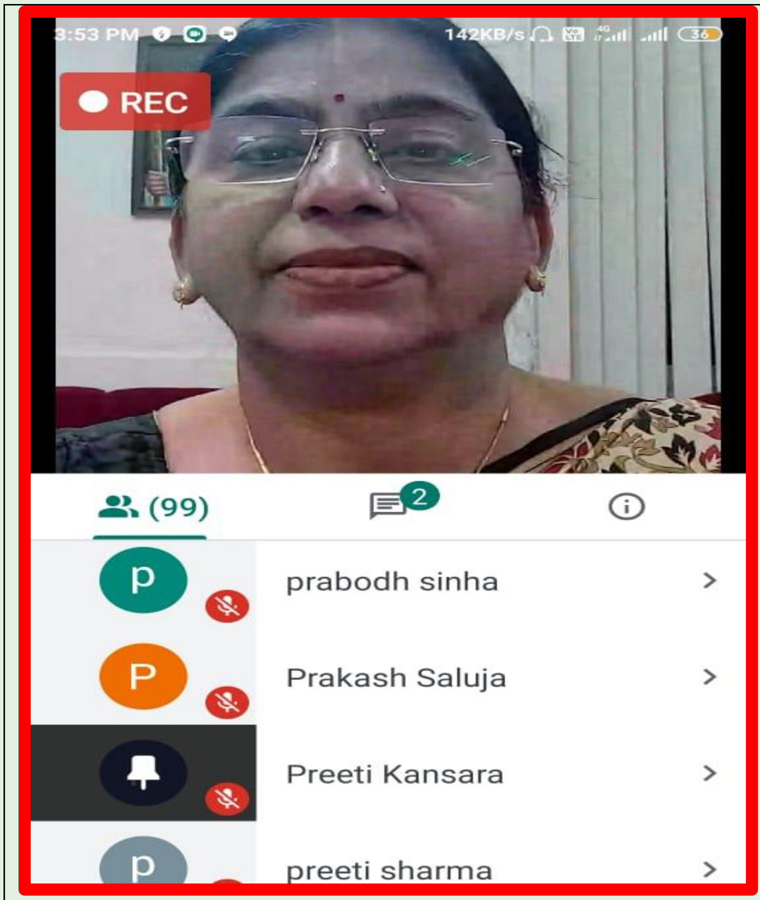

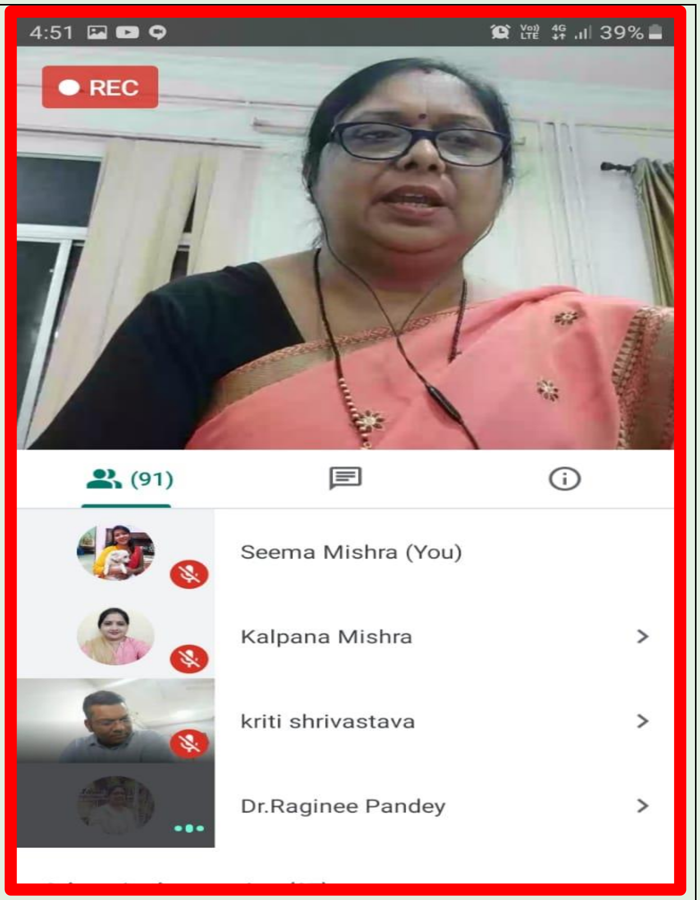

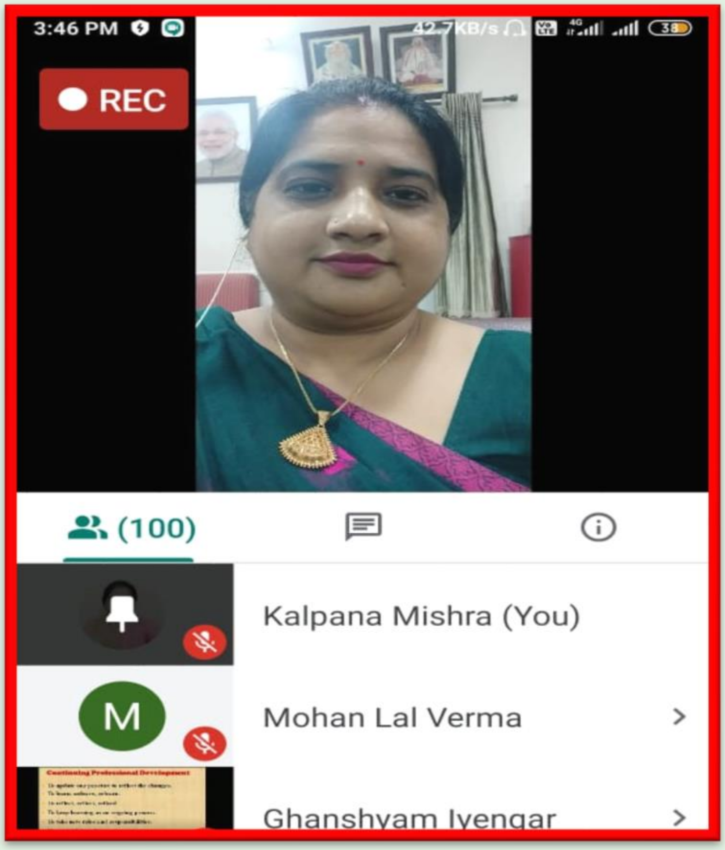

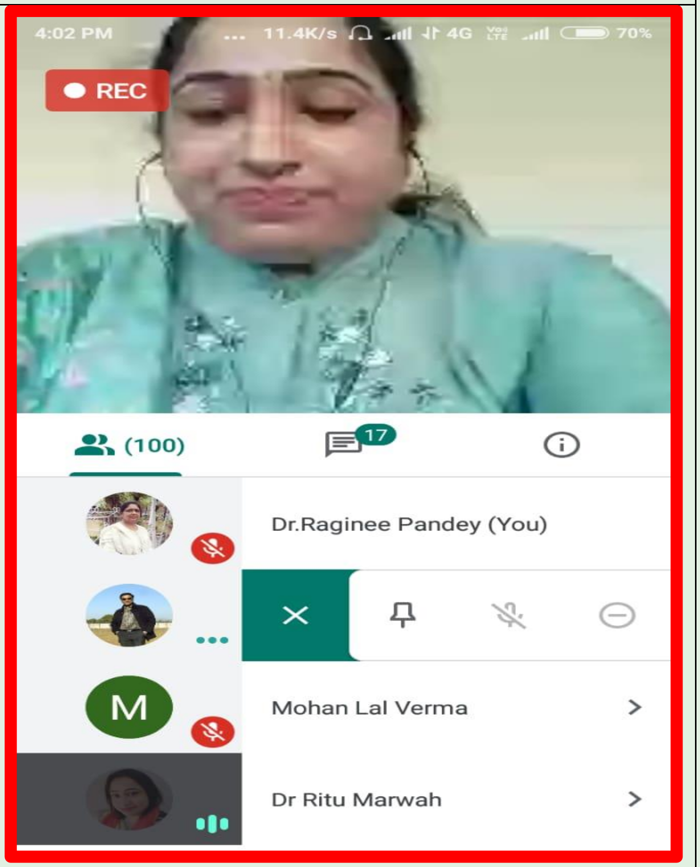

THANKS TO ALL…..